

करवा चौथ 2026
व्रत पुस्तिका

गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026

विधि · कथा · सामग्री · सरगी · 100 शहरों का चंद्रोदय

yajmanconnect.com

यजमान और धाम के बीच, भरोसे का सेतु

करवा चौथ 2026: मुख्य जानकारी

तारीख (भारत): गुरुवार, 29 अक्टूबर 2026 · कार्तिक कृष्ण चतुर्थी
चतुर्थी तिथि (भारतीय समय): 29 अक्टूबर रात 1:07 बजे से रात 10:10 बजे तक
व्रत: सूर्योदय से चंद्रोदय तक · **पूजा:** सूर्यास्त के बाद, चंद्रोदय से पहले
अमेरिका और कनाडा: स्थानीय समय से करवा चौथ **बुधवार, 28 अक्टूबर** को है।

भारत के शहरों में चंद्रोदय

शहर	तारीख	चंद्रोदय
लखनऊ	29 अक्टूबर	रात 8:01
आगरा	29 अक्टूबर	रात 8:12
अहमदाबाद	29 अक्टूबर	रात 8:47
अलीगढ़	29 अक्टूबर	रात 8:10
अंबाला	29 अक्टूबर	रात 8:08
अमृतसर	29 अक्टूबर	रात 8:12
अयोध्या	29 अक्टूबर	शाम 7:56
बरेली	29 अक्टूबर	रात 8:03
बेंगलुरु	29 अक्टूबर	रात 8:50
भोपाल	29 अक्टूबर	रात 8:26
भुवनेश्वर	29 अक्टूबर	शाम 7:58
बीकानेर	29 अक्टूबर	रात 8:29
चंडीगढ़	29 अक्टूबर	रात 8:07
चेन्नई	29 अक्टूबर	रात 8:39
देहरादून	29 अक्टूबर	रात 8:03
दिल्ली	29 अक्टूबर	रात 8:11
फरीदाबाद	29 अक्टूबर	रात 8:12
गाज़ियाबाद	29 अक्टूबर	रात 8:10
गोरखपुर	29 अक्टूबर	शाम 7:51
गुरुग्राम	29 अक्टूबर	रात 8:13
गुवाहाटी	29 अक्टूबर	शाम 7:18
ग्वालियर	29 अक्टूबर	रात 8:14
हरिद्वार	29 अक्टूबर	रात 8:03
हिसार	29 अक्टूबर	रात 8:16
हैदराबाद	29 अक्टूबर	रात 8:36
इंदौर	29 अक्टूबर	रात 8:34
जबलपुर	29 अक्टूबर	रात 8:15
जयपुर	29 अक्टूबर	रात 8:22
जालंधर	29 अक्टूबर	रात 8:10
जम्मू	29 अक्टूबर	रात 8:08
जोधपुर	29 अक्टूबर	रात 8:36
कानपुर	29 अक्टूबर	रात 8:05
करनाल	29 अक्टूबर	रात 8:09
कोलकाता	29 अक्टूबर	शाम 7:42
कोटा	29 अक्टूबर	रात 8:27
लुधियाना	29 अक्टूबर	रात 8:10
मेरठ	29 अक्टूबर	रात 8:08
मुंबई	29 अक्टूबर	रात 8:55
नागपुर	29 अक्टूबर	रात 8:24
नोएडा	29 अक्टूबर	रात 8:11
पानीपत	29 अक्टूबर	रात 8:10
पटियाला	29 अक्टूबर	रात 8:10
पटना	29 अक्टूबर	शाम 7:47
प्रयागराज	29 अक्टूबर	रात 8:01
पुणे	29 अक्टूबर	रात 8:53
रायपुर	29 अक्टूबर	रात 8:13
राजकोट	29 अक्टूबर	रात 8:56
रांची	29 अक्टूबर	शाम 7:52
रोहतक	29 अक्टूबर	रात 8:13
शिमला	29 अक्टूबर	रात 8:04
श्रीनगर	29 अक्टूबर	रात 8:04
सूरत	29 अक्टूबर	रात 8:50
उदयपुर	29 अक्टूबर	रात 8:37
वडोदरा	29 अक्टूबर	रात 8:46
वाराणसी	29 अक्टूबर	शाम 7:57

अपने शहर का समय, सरगी और व्रत की अवधि लाइव देखें: yajmanconnect.com/tools/karwa-chauth-2026/

विदेश में करवा चौथ 2026 (स्थानीय समय)

शहर	तारीख	चंद्रोदय
अबू धाबी	29 अक्टूबर	रात 8:29
एडिलेड	29 अक्टूबर	रात 11:35
एम्स्टर्डम	29 अक्टूबर	शाम 6:54
अटलांटा	28 अक्टूबर	रात 8:38
ऑकलैंड	29 अक्टूबर	रात 11:40
बहरीन	29 अक्टूबर	शाम 7:40
बर्मिंघम	29 अक्टूबर	शाम 6:21
बॉस्टन	28 अक्टूबर	शाम 7:09
ब्रैम्पटन	28 अक्टूबर	शाम 7:39
ब्रिस्बेन	29 अक्टूबर	रात 9:41
कैलगरी	28 अक्टूबर	शाम 7:20
शिकागो	28 अक्टूबर	शाम 7:20
डैलस	28 अक्टूबर	रात 8:32
दोहा	29 अक्टूबर	शाम 7:38
दुबई	29 अक्टूबर	रात 8:23
डरबन	29 अक्टूबर	रात 10:18
एडमंटन	28 अक्टूबर	शाम 6:59
फ़्रैंकफ़र्ट	29 अक्टूबर	शाम 6:55
ह्यूस्टन	28 अक्टूबर	रात 8:36
काठमांडू (नेपाल)	29 अक्टूबर	शाम 7:55
कुआलालंपुर	29 अक्टूबर	रात 10:02
कुवैत	29 अक्टूबर	शाम 7:41
लेस्टर	29 अक्टूबर	शाम 6:17
लंदन	29 अक्टूबर	शाम 6:21
लॉस एंजेलिस	28 अक्टूबर	शाम 7:58
मैनचेस्टर	29 अक्टूबर	शाम 6:14
मेलबर्न	29 अक्टूबर	रात 11:49
मस्कट	29 अक्टूबर	रात 8:14
नैरोबी	29 अक्टूबर	रात 9:43
न्यू जर्सी (एडिसन)	28 अक्टूबर	शाम 7:31
न्यूयॉर्क	28 अक्टूबर	शाम 7:29
पर्थ	29 अक्टूबर	रात 10:30
फ़ीनिक्स	28 अक्टूबर	शाम 7:34
पोर्ट लुई (मॉरीशस)	29 अक्टूबर	रात 10:00
पोर्ट ऑफ़ स्पेन (त्रिनिदाद)	28 अक्टूबर	रात 8:03
सैन होज़े / बे एरिया	28 अक्टूबर	रात 8:01
सिएटल	28 अक्टूबर	शाम 7:16
सिंगापुर	29 अक्टूबर	रात 9:57
सरी (BC)	28 अक्टूबर	शाम 7:09
सुवा (फ़िजी)	29 अक्टूबर	रात 9:29
सिडनी	29 अक्टूबर	रात 11:08
टोरंटो	28 अक्टूबर	शाम 7:38
वैंकूवर	28 अक्टूबर	शाम 7:09
वॉशिंगटन डीसी	28 अक्टूबर	शाम 7:49
वेलिंगटन	29 अक्टूबर	रात 11:58

समय क्षितिज पर चंद्रमा के उगने का है। बादल, ऊँची इमारतें या पहाड़ हों, तो चाँद कुछ मिनट बाद दिखता है। कुछ शहरों में चंद्रोदय के समय चतुर्थी नहीं रहती, वहाँ स्थानीय मंदिर से पुष्टि कर लें।

सरगी: क्या और कब

सरगी सूर्योदय से पहले खाई जाती है, और परंपरा से सास अपनी बहू को देती हैं। पूरे दिन के निर्जल व्रत से पहले यह शरीर को ऊर्जा और पानी देती है।

- **अच्छे विकल्प:** मौसमी फल, भीगे हुए बादाम-अखरोट और किशमिश, दूध वाली फेनी या सेवई, नारियल पानी, पनीर या दही, हल्का परांठा।
- **कम कीजिए:** बहुत नमकीन, तला हुआ या बहुत मीठा भोजन, और चाय-कॉफ़ी, क्योंकि इनसे दिन में प्यास ज़्यादा लगती है।
- **पानी:** सरगी के साथ आराम से पानी पी लें।

गर्भावस्था, डायबिटीज़, ब्लड प्रेशर या किसी बीमारी में निर्जल व्रत से पहले डॉक्टर की सलाह ज़रूर लें।

करवा चौथ पूजा विधि

1. सूर्योदय से पहले सरगी ग्रहण करें और व्रत का संकल्प लें।
2. दिन भर निर्जल व्रत रखें। इस दिन सोलह श्रृंगार और मेहंदी की परंपरा है।
3. शाम को पूजा स्थान साफ़ करके दीवार पर करवा माता का चित्र लगाएँ, या चौकी पर करवा माता, शिव-पार्वती, गणेश और कार्तिकेय की प्रतिमा रखें।
4. मिट्टी या धातु के करवे में जल भरें, उस पर ढक्कन रखें, और ढक्कन पर मिठाई या चावल रखें।
5. दीप जलाकर रोली, अक्षत, फूल और मिठाई से पूजा करें, और करवा चौथ की कथा सुनें या पढ़ें। कई जगह महिलाएँ समूह में बैठकर थाली फेरती हैं।
6. कथा के बाद करवा और श्रृंगार की सामग्री सास या किसी बुज़ुर्ग महिला को देकर आशीर्वाद लें।
7. चंद्रोदय होने पर छलनी में दीप रखकर चाँद को देखें, और करवे के जल से अर्घ्य दें।
8. उसी छलनी से पति का चेहरा देखें, पति के हाथ से जल पीकर और मिठाई खाकर व्रत खोलें।

चाँद न दिखे तो? बादल हों तो पंचांग में दिए चंद्रोदय के समय के बाद कुछ देर प्रतीक्षा करें। कई परिवार परंपरा से चंद्रोदय के समय के बाद चाँद की दिशा में अर्घ्य देकर व्रत खोलते हैं। अपने परिवार की परंपरा का पालन करें।

पूजा सामग्री चेकलिस्ट

- ☐ मिट्टी या धातु का करवा (ढक्कन सहित)
- ☐ छलनी
- ☐ करवा माता का चित्र या कैलेंडर
- ☐ जल का लोटा
- ☐ मिट्टी का दीया, घी, बत्ती
- ☐ पूजा की थाली
- ☐ रोली, अक्षत, हल्दी
- ☐ सिंदूर, मेहंदी
- ☐ कलावा
- ☐ फूल
- ☐ मिठाई, फल
- ☐ मठरी
- ☐ लाल चुनरी
- ☐ चूड़ियाँ, बिंदी, बिछिया
- ☐ धूप, कपूर, माचिस
- ☐ सरगी: फल, मेवे, फेनी

करवा चौथ की कथाएँ

वीरावती की कथा

बहुत समय पहले एक साहूकार के सात बेटे और वीरावती नाम की एक बेटी थी। सातों भाई अपनी बहन को बहुत प्यार करते थे। विवाह के बाद वीरावती ने अपना पहला करवा चौथ का व्रत मायके में रखा।

शाम होते-होते वह भूख और प्यास से व्याकुल हो गई। भाइयों से बहन की यह हालत देखी नहीं गई। उन्होंने नगर के बाहर एक पेड़ के पीछे आग जलाई और छलनी की ओट से उसकी रोशनी को चाँद की तरह दिखा दिया। वीरावती ने उसे चंद्रमा समझकर अर्घ्य दिया और व्रत खोल दिया।

भोजन का पहला कौर लेते ही उसे अपशकुन हुए, और ससुराल से पति के प्राण संकट में होने का समाचार आया। दुखी वीरावती ने अपनी भूल का प्रायश्चित किया और पूरे वर्ष हर चतुर्थी को श्रद्धा से व्रत रखा। अगले करवा चौथ पर उसने पूरे विधि-विधान से व्रत किया।

उसकी निष्ठा से प्रसन्न होकर करवा माता की कृपा से उसके पति को नया जीवन मिला। तभी से सुहागिनें अखंड सौभाग्य के लिए यह व्रत श्रद्धा से करती हैं।

करवा की कथा

प्राचीन समय में करवा नाम की एक पतिव्रता स्त्री अपने पति के साथ नदी किनारे रहती थी। एक दिन नदी में स्नान करते समय एक मगर ने उसके पति का पैर पकड़ लिया।

पति की पुकार सुनकर करवा दौड़ी आई। उसने अपनी शक्ति से मगर को कच्चे सूत से बाँध दिया और यमराज के पास जाकर कहा कि मगर को दंड दें और मेरे पति की रक्षा करें। करवा के सतीत्व और दृढ़ता के आगे यमराज को झुकना पड़ा। उन्होंने मगर को दंड दिया और करवा के पति को दीर्घायु का वरदान दिया।

करवा के नाम से ही इस व्रत को करवा चौथ कहा जाता है, और करवा माता की पूजा इस व्रत का मुख्य अंग है।

कथाएँ लोक-परंपरा के अनुसार संक्षेप में दी गई हैं। क्षेत्र और परिवार के अनुसार इनके रूप अलग हो सकते हैं।

अक्सर पूछे जाने वाले सवाल

क्या अविवाहित लड़कियाँ यह व्रत रख सकती हैं?
हाँ, कई परिवारों में अविवाहित लड़कियाँ मनचाहे जीवनसाथी के लिए यह व्रत रखती हैं। कुछ परंपराओं में वे चाँद की जगह तारे देखकर व्रत खोलती हैं।

पहली बार व्रत रखने वाली क्या ध्यान रखें?
पहला करवा चौथ आमतौर पर ससुराल में, सास के मार्गदर्शन में रखा जाता है। सरगी ठीक से लें, और दिन में आराम करें।

विदेश में तारीख अलग क्यों है?
करवा चौथ उस दिन मनाया जाता है जब चंद्रोदय के समय चतुर्थी तिथि हो। अमेरिका-कनाडा के समय के हिसाब से यह 28 अक्टूबर को पड़ता है।

yajmanconnect.com पर और मुफ़्त टूल:
आज का पंचांग और चौघड़िया · लक्ष्मी पूजन मुहूर्त 2026 · छठ अर्घ्य समय · व्रत कैलेंडर · शुभकामना कार्ड मेकर · पूजा सामग्री सूची

यह पुस्तिका उपयोगी लगी? इसे अपने परिवार और सहेलियों के साथ WhatsApp पर ज़रूर शेयर करें।

yajmanconnect.com · यजमान और धाम के बीच, भरोसे का सेतु

© 2026 YajmanConnect, AI Hindi Guru द्वारा संचालित। निःशुल्क वितरण के लिए।